S-W MONSOON TO BRING GOOD RAINS: IMD

Breather for parched regions

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 21 September

An "enhanced activity" of the southwest monsoon will bring good rainfall in several parts of the country for the next three-four days, giving breather to many regions reeling under severe water deficiency, the Indian Meteorological Department has said.

"There is a circulation in both the sides of the country. On the east side there is a low pressure area over north Gujarat and Rajasthan. There is another low pressure area in Jharkhand and adjoining areas of Gangetic West Bengal and Bihar. This will bring a good amount of rainfall till 23 September," IMD Director-General Laxman Singh Rathore said.

The "line of withdrawn" now passes through Amritsar, Hissar, Ajmer and Barmer, the IMD said.

Rathore said good

rainfall activity will continue until September 23, but the monsoon will start withdrawing rapidly from several parts thereafter. "Heavy to heavy rainfall would occur at isolated places over sub-Himalayan West Bengal, Sikkim and Bihar, isolated places in Assam and Meghalaya, Punjab, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir, East and West Uttar Pradesh, Uttarkhand, Haryana, Chandigarh, East and West Rajasthan on 22 September," IMD said.

"Situation seems to be improving now. The low pressure area lying over North Gujarat will move in a north-easterly direction towards the plains of North India. The effects of this system will be complemented by the presence of a Western Disturbance over North Pakistan," Skymet, a private weather forecasting agency, said.

Skymet added that the combination of these two systems will bring fairly widespread rainfall over North India. The entire plain region, including west Rajasthan, Delhi, Haryana, Punjab and west Uttar Pradesh, will receive some rainfall till 23 September. This could be the last spell of monsoon rains for this region, Skymet added. A good rainfall is much needed in several parts, especially, east and west Uttar Pradesh where the monsoon deficiency stands at 46 and 43 per cent respectively. Similar is the case in Punjab that witnessed a deficiency of 37 per cent. Haryana, Chandigarh and Delhi has seen a deficiency of 36 per cent.

News item/letter/article/editorial published on September 20.9.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P. Chronicle
A.J. (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

तीन दिन बरसेंगे बादल

■ नगर संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में बारिश का सिलसिला शुरू हो चुका है। शनिवार को सुबह 8:30 बजे तक पालम में 29.6 मिमी और सफदरजंग में 21.6 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं दिल्ली रीज में 17.4 मिमी और लोदी रोड में 22.2 बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में अगले तीन दिनों तक बारिश होने की संभावना है। मैक्सिमम टेंपरेचर भी गिरने की संभावना है।

शनिवार को भी सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे तक कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई। बारिश से मैक्सिमम टेंपरेचर में भी गिरावट दर्ज हुई। शनिवार को मैक्सिमम टेंपरेचर सामान्य के साथ 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले मैक्सिमम टेंपरेचर 36 से 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो रहा था। वहीं मिनिमम टेंपरेचर नॉर्मल से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा के साथ 26 डिग्री दर्ज हुआ। साथ ही शनिवार को ह्यूमिडिटी का अधिकतम लेवल 100 पर्सेंट तक जा पहुंचा।

मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में कहा है कि रविवार को आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। बारिश होने की भी संभावना है। मैक्सिमम टेंपरेचर 34 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 21 और 22 सितंबर को दिल्ली और आस-पास के इलाकों में तेज बारिश होने की संभावना है।

मैक्सिमम टेंपरेचर 34 सेल्सियस रहने की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी में बने वेदर सिस्टम का असर उत्तर भारत पर होगा। इससे राजस्थान, हरियाणा के आसपास चक्रवाती हवाओं का सिस्टम भी बन सकता है। साथ ही पूर्वी दिशा से नमी भी दिल्ली और आस-पास के राज्यों में दस्तक देगी। वहीं वेस्टर्न डिस्टरबेंस के आने से भी मौसम के पैटर्न में बदलाव होगा। वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई है कि दिल्ली की तरफ मॉनसून के भी एक्टिव होने की संभावना है।

News item/letter/article/editorial published on September-20.09.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P. Chronicle
Statesman	Punjab Kesari (Hindi) ✓	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

बारिश से आर्द्रता लेवल 100 प्रतिशत

नई दिल्ली, (भाषा): दिल्ली के कई इलाकों में आज सुबह मध्यम से तेज बारिश हुई लेकिन आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया, ''दिल्ली के कुछ इलाकों में रातभर हल्की बारिश होती रही लेकिन सुबह अधिकांश इलाकों में मध्यम से तेज बारिश हुई।'' उन्होंने बताया, ''सफदरजंग वेधशाला में 21.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी जबकि पालम और लोधी रोड

▸ शेष पृष्ठ 2 पर

बारिश से

वेधशालाओं में क्रमशः 29.6 मिलीमीटर और 22.6 मिलीमीटर दर्ज की गयी।'' सुबह के साढ़े आठ बजे न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री नीचे 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत रहा जबकि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने आगे भी बारिश की संभावना व्यक्त की है। अधिकारी ने बताया, ''आज शाम को और कल भी बारिश होने की संभावना है।'' मौसम विभाग के अनुसार कल का अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री दर्ज किया गया था।

News item/letter/article/editorial published on September 19.9.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P. Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

थार में अकाल की दस्तक ◆ भरपूर बारिश के बाद भी एक बारिश के अभाव में सूख रही फसलें, बाजरा हो रहा बर्बाद, मूंग पर मौसम की मार- 16 लाख 46 हजार है

एक माह पहले बाढ़, अब सूखे के हालात

19-RP

दिलीप दवे. बाड़मेर @ पत्रिका

patrika.com/state

थार में एक माह पहले बाढ़ व अतिवृष्टि जैसे हालात थे, लेकिन अब स्थिति उलट है। बारिश हुई तब भरपूर हुई लेकिन बरसात रुकी ऐसी कि फिर बरसने का नाम ही नहीं ले रही। इसके चलते धरतीपुत्र एक बारिश का इंतजार करते रहे और खड़ी फसलें सूखने लगी। अब स्थिति यह है कि फसल खराब हो रही है और किसानों के चेहरे मुरझा रहे हैं। यह स्थिति एक-दो नहीं, सैकड़ों गांवों के हजारों किसानों की हैं, जो अब एक बारिश के इंतजार में मेहनत पर पानी फिरते हुए देख रहे हैं। जून व जुलाई का पहला पखवाड़ा बिना बारिश के गुजरा, लेकिन जुलाई के आखिरी पखवाड़े में बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश होने के बाद किसानों ने बुवाई शुरू की तो बारिश की झड़ी लग गई।

अगस्त में कई दिन तक बारिश का दौर चला। इसके चलते जिले की गुड़ामालानी, धोरीमन्ना, सिणधरी तहसील में बाढ़ जैसे हालात नजर आए। खेतों में पानी भर गया। पानी सूखा तो किसानों की चिंता कम हुई, उन्होंने बुवाई शुरू की। इसके बाद सालों बाद पूरे जिले में हर गांव में बुवाई का दौर चला। कृषि विभाग को 16 लाख 83 हजार हेक्टेयर बुवाई का लक्ष्य दिया गया था, जो बुवाई के सामने बौना पड़ता नजर आया। देखते ही देखते 16 लाख 46 हजार हेक्टेयर में बुवाई हो गई। बुवाई के साथ ही जिले में बम्पर पैदावार की उम्मीद में किसान थे, लेकिन मौसम ने फिर से करवट ली और दूसरी बारिश समय पर नहीं हुई। यह इंतजार अगस्त के दूसरे पखवाड़े से चल रहा है। जिले में खड़ी बाजरे की फसल बिना बारिश के जलने लगी है। मूंग-मोठ की फसलें पीली पड़ चुकी है जबकि तिल की पैदावार पर तुषारापात हो चुका है।

अब तो नाउम्मीद है

बारिश नहीं होने से फसलें बर्बाद हो रही हैं। किसानों को अकाल की चिंता सता रही है। बाजरा, मूंग-मोठ तो जलने लग गया है। दो-तीन दिन में बारिश नहीं हुई तो अकाल की स्थिति हो जाएगी। अब तो नाउम्मीद हो गए हैं।

- कानसिंह राजपुरोहित, किसान, बीसू खुर्द

थोड़ी उम्मीद बची है

तीन-चार दिन में बारिश होती है तो फसलें बच जाएंगी। बस थोड़ी उम्मीद बची है। वैसे हमारे यहां बुवाई अगस्त में हुई है, ऐसे में पांच-दस दिन तक बारिश हुई तो बाजरा, ग्वार को फायदा मिल पाएगा।

- डॉ. प्रदीप पगारिया, केन्द्र प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र दांता

औसत से ज्यादा बारिश, फिर भी नहीं मिला फायदा

जिले में बारिश का दौर महज चार-पांच दिन ही चला। इस दौरान बारिश ने पूरे साल की औसत बारिश का आंकड़ा पूरा कर दिया। जून-जुलाई में पचास दिन तक बारिश की बूंद नहीं गिरी। जुलाई के आखिरी दिनों में थोड़ी बारिश हुई, इसके बाद अगस्त में बारिश हुई वो भी महज पांच दिन। इस दौरान बाढ़ जैसे हालात बने, अतिवृष्टि की स्थिति बनी और फिर मौसम साफ हो गया। तब से अब तक करीब सवा माह में बूंदाबांदी भी नहीं हुई।

फैक्ट फाइल

ब्लॉक बारिश	
बाड़मेर 287	धोरीमन्ना 462
रामसर 356	सिणधरी 540
बायतु 291.5	सिवाना 319
गिड़ा 174	समदड़ी 343
शिव 292	पचपदरा 378
गडरारोड 270	बालोतरा 378
चौहटन 416	
सेड़वा 462	
गुड़ामालानी 930	

(जिले में जनवरी से सितम्बर 2015 तक हुई बारिश मिमी में)

News item/letter/article/editorial published on September 23.09.2015 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P. Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

1928 करोड़ में द्रव्यवती नदी को संवारने का दिखाया ख्वाब

हाईकोर्ट के तल्ख टिप्पणी के बावजूद राज्य स्तरीय एम्पावर्ड कमेटी ने दी टाटा कंपनी की डीपीआर को सैद्धांतिक मंजूरी

22-9-15

जयपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

यूं बना लिया द्रव्यवती नदी के बीच से जाने का रास्ता। फाइल फोटो

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी और नाराजगी के बावजूद सरकार ने द्रव्यवती नदी (अमानीशाह नाला) के सान्दर्यीकरण को लेकर टाटा कंपनी की ओर से तैयार डीपीआर पर सहमति जता दी। इस मामले में सोमवार को मुख्य सचिव सीएस राजन की अध्यक्षता में स्टेट लेवल एम्पावर्ड कमेटी की बैठक हुई, जिसमें डीपीआर पर सहमति जताते हुए इस प्रोजेक्ट को स्विस चैलेंज सिस्टम के तहत कराने पर सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई। जबकि, हाईकोर्ट ने सरकार को राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) से ही डीपीआर तैयार करने के आदेश दिए थे। गंभीर यह है कि नगरीय विकास विभाग नीरी को डीपीआर तैयार करने के कार्यादेश जारी कर चुका है।

टाटा कंपनी की डीपीआर के तहत नदी के सौन्दर्यीकरण पर 1928 करोड़ रुपए की लागत आएगी, जबकि इसके सौन्दर्यीकरण के बाद आसपास की 85 हैक्टेयर भूमि मिलेगी। इस जमीन की कीमत 1700 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट की मियाद 30 माह बताई गई है। काम पूरा होने के बाद कंपनी 5 साल तक इस प्रोजेक्ट का संचालन और रखरखाव करेगी। सूत्रों के मुताबिक बैठक में कमेटी सदस्यों ने प्रोजेक्ट का रखरखाव व संचालन 5 साल से अधिक करने के लिए कहा। लेकिन इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि अगली बैठक में इस मुद्दे पर फिर चर्चा होगी।

यह भी दावा

डीपीआर में अंकित है कि इस प्रोजेक्ट को विकसित करने के बाद सरकार को 1700 करोड़ रुपए कीमत की मिलने वाली करीब 85 हैक्टेयर जमीन के अलावा प्रोजेक्ट के आसपास 53 हैक्टेयर अन्य सरकारी जमीन भी मिलेगी, जिसकी कीमत भी करीब 200 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है।

बांधों के पास सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

नदी के 47 किलोमीटर क्षेत्र में जहां भी बांध बने हैं, उनकी जांच की जाएगी और उनके आस-पास सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिससे नदी में शहर से आने वाले गंदे पानी को साफ कर आगे भेजा जा सके। नदी में कई जगह दीवार बताई जाएगी।

डीपीआर में प्लांट की जताई जरूरत

दूरी	एसटीपी क्षमता
4.5	5
7.9	15
20.55	40
25	20
27.30	15
28.30	15
33	20
37.20	20

(दूरी-द्रव्यवती नदी के उद्गम स्थल वीकेआई के पीछे ग्राम जैसल्या से नापी गई है। दूरी किमी. में व एसटीपी क्षमता एमएलडी में)

News item/letter/article/editorial published on Wednesday 22.09.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P. Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

पत्रिका -22-9-15

छत्तीसगढ़ के 4 जिलों में जल क्रांति!

जल संसाधन मंत्रालय की योजनाः पहले चरण में मध्यप्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक शामिल

अखिल अश्विनी शर्मा . नई दिल्ली @ पत्रिका

patrika.com/india

छत्तीसगढ़ के चार जिलों में अब जल क्रांति होगी। जी हां, राज्य के चार जिलों का केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय ने जल संरक्षण और प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए चयन किया है। इनमें नदियों के बहाव पर निगरानी, पानी बचाओ और जल प्रदूषण निवारण पर नजर रखी जाएगी।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार चयनित जिलों में 2015-16 के दौरान जल संरक्षण और प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए जिले के सभी पक्षकारों को शामिल करते हुए व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण से जल क्रांति अभियान चलाया जा रहा है।

जल ग्राम की पहल

योजना के तहत राज्य के चयनित जिलों में प्रत्येक में कम से कम एक जल की कमी वाले गांव में पानी का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जल ग्राम की पहल शुरू की जा रही है। प्रत्येक जिले में जल की अत्यधिक कमी वाले एक गांव को जल ग्राम का नाम दिया जाएगा। हालांकि यह योजना देशभर के सभी 672 जिलों में चलाई जाएगी लेकिन यह तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में देश के 14 राज्यों को शामिल किया है। इसमें छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक आदि राज्य शामिल हैं।

उपलब्धता घट रही है पानी

मंत्रालय का कहना है कि देशभर के जिलों में पानी उपलब्धता धीरे-धीरे घटती जा रही है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या और विकास कर रहे राष्ट्र की बढ़ती जरूरतों के साथ जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनजर जल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता प्रति वर्ष कम होती जा रही है। तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए अगर समय रहते इसका समाधान नहीं निकाला तो जल का उपयोग करने वालों और जल बेसिन राज्यों के बीच पानी के लिए विवाद उत्पन्न हो जाएगा। इस संभावित विवाद से बचने के लिए केंद्र सरकार ने जल क्रांति की पहल की है। प्रत्येक गांव में जल ग्राम का चयन और इसके क्रियान्वयन का कार्य जिला स्तरीय समिति करेगी। इसके लिए मापदंड बनाया गया है। जिले के गांव इस मापदंड के अनुरूप पानी की उपलब्धता के आधार पर चयनित किए जाएंगे।

जल मित्रों का भी चयन

मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि केवल जल ग्राम का ही चयन नहीं किया जाएगा बल्कि इसके लिए चयनित गांव में जल मित्र भी बनाए जाएंगे। इनका काम गांव में जल संबंधी जागरूकता फैलाना और जल संबंधी समस्याओं का निवारण करना होगा। इसके लिए उन्हें बकायदा प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस संबंध में विशेष कोशिश की जाएगी कि जल मित्र के रूप में महिलाओं का ही चयन हो। इसके लिए संबंधित महिला पंचायत सदस्यों को ही जल मित्र बनाने को प्रोत्साहित किया जाएगा। कारण कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले पानी की उपयोगिता को अधिक नजदीक से देखती और उसका उपयोग करती हैं। प्रत्येक जल ग्राम में एक सुलजाम कार्ड के रूप में जल स्वास्थ्य कार्ड तैयार किया जाएगा। यह जल ग्राम में उपलब्ध पानी की गुणवत्ता के संबंध में वार्षिक रिपोर्ट देगा।

मौजूदा योजना से होगा व्यय

केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय का कहना है कि योजना के लिए अलग से धन की व्यवस्था नहीं की गई है बल्कि प्रत्येक जल ग्राम में प्रस्तावित कार्यों के संबंध में होने वाले व्यय को केंद्र और राज्य सरकारों की संबंधित मौजूदा योजनाओं से पूरा किया जाएगा।

News item/letter/article/editorial published on 22.09.2015 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P. Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

लौट आया मानसून

मौसम विभाग का यू टर्न, फुहारों से मानसून में बारिश 2 फीसदी घटी

नई दिल्ली @ पत्रिका

patrika.com/india

मौसम वैज्ञानिकों की तमाम भविष्यवाणियों को झुठलाते हुए मानसून फिर से लौट आया है। इसी वजह से मध्य भारत, पश्चिम भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर भारत के तमाम इलाकों में रिमझिम फुहारोंसे मौसम खुशनुमा बन गया है।

सितंबर की शुरुआत में ही मानसून के वापस जाने की घोषणा करने वाले मौसम विभाग को भी अपनी भविष्यवाणी को लेकर यू-टर्न लेना पड़ रहा है। बढ़ी हुई बारिश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मानसून की बारिश में कमी 16 फीसदी से घटकर 14 फीसदी पर आ चुकी है।

मौसम विभाग के निदेशक बी पी यादव के अनुसार 22 अगस्त के बाद से उत्तर-पश्चिम भारत के कई इलाकों में बारिश थम गई थी।

श्रीगंगानगर में सोमवार को हुई बरसात से लबालब सुखाड़िया सर्किल। - पत्रिका

पढ़ें लौट @ पेज 6

...सगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

लौट...

2-3 दिनों तक बारिश की संभावना: गुजरात के बाद यह सिस्टम अब उत्तर भारत की तरफ रुख कर रहा है। इससे राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के तमाम इलाकों में अगले 2-3 दिनों तक बारिश की संभावना बन गई है। जहां एक तरफ उत्तर-पश्चिम भारत में डब्ल्यू-डी और मानसून के बीच टकराव के चलते बारिश की संभावना बनी है, तो वहीं दूसरी तरफ एक दूसरा कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा में आ गया है।

राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी बारिश: राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों समेत कई जिलों में रविवार रात से ही बारिश का दौर जारी है। बाड़मेर जिले के गडरारोड, रामसर व चौहटन तहसीलों में बारिश के साथ अतिवृष्टि से भी जनजीवन प्रभावित हुआ है।

‘In 10 yrs, Delhi air will be world’s deadliest’

The Times of India (New Delhi edition) · 18 Sep 2015 · 9 · Kounteya Sinha @timesgroup.com (DEATHS PER YEAR)

London: In another 10 years, Delhi will record the world’s largest number of premature deaths annually due to air pollution among all megacities in the world. By 2025, nearly 32,000 people in Delhi will die solely due to inhaling polluted air.

However, it will be Kolkata that will record the highest number of such deaths annually by 2050. Kolkata will see the number of premature deaths spike between 2025 and 2050 and will record 54,800 deaths due to air pollution — more than Delhi (52,000) and Mumbai (33,100).

Together, these three cities topped the list of premature deaths due to harmful particles like PM2.5 and O3 in the air. Annually, 3.3 million

PREMATURE MORTALITY

People worldwide die prematurely from the effects of air pollution. This number will double by 2050 to 6.6 million if

IN THE MOST POLLUTED MEGA CITIES

Emissions continue to rise, according to a team of scientists at the Max Planck Institute for Chemistry in Mainz.

In 2010, 75% of such mortality occurred in Asia — 1.4 million in China and 650,000 in India.

The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE

Himachal

2.5 lakh visit Manimahesh

Published on: Sep 22 2015 12:57AM

The Manimahesh lake and Mount Kailash at its backdrop.

Balkrishan Parashar

Bharmour, September 21

Despite severe cold weather en route famous Manimahesh shrine this year, around 47,000 devotees of Lord Shiva took a holy dip in the icy waters of the sacred Manimahesh Lake at an altitude of 4,170 metres nestled in the mountainous snowy ranges of the northwestern Himalayas in Chamba district during the past 24 hours.

The pilgrims also had a vision of the holy image of Mount Kailash (the abode of Lord Shiva) situated at an altitude of 5,656 metres on this auspicious occasion of Radhashtami, the concluding day of the Manimahesh pilgrimage this morning.

While so far, during the past fortnight nearly 2.50 lakh pilgrims have visited the Manimahesh shrine from different areas of HP and the adjoining states and took holy dip.

ADM of Bharmour Satish Kumar Chaudhary said that the pilgrims had a hassle-free journey.

The ADM further said that the pilgrims hailing from Bhaderwah region of Jammu and Kashmir state also visited the pilgrimage centre and had a holy bath on Janamashthmi.

A ban on the use of polythene was imposed. Garbage disposal pits were made alongside trek of the Manimahesh climb. The ADM adding that health facilities were provided, especially by specialists of Sri Ganga Ram Hospital, Delhi, at different places.

Rain brings slight relief & waterlogging

Showers To Intensify Today

Rajesh Mehta

SHOWER DELIGHT: Weather is likely to clear up by Thursday

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The much needed break from heat came in the form of light to moderate showers across the city on Monday. Many parts of central and east Delhi witnessed a short spell of heavy rain for about 30 minutes that promptly led to waterlogging and an increase in humidity levels.

"The rainfall was not uniform and officially, no rain was recorded in Delhi either by 5.30pm or by 8.30pm. However, we did receive reports of light to moderate showers from east and central Delhi. The intensity and duration of rain will intensify over the capital and neighbouring areas on Tuesday and by Thursday, we are expecting the weather to clear up," said a Met official.

The rainfall is a result of a low pressure area over south Rajasthan and neighbouring areas. Easterly winds were interacting with a western disturbance because of which large parts of northwest India could receive rain over the next couple of days. "Heavy to very heavy rainfall would occur at isolated places over Assam, Meghalaya, Punjab, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Gangetic West Bengal, east and west Uttar Pradesh, Uttarakhand, Haryana, Chandigarh, Delhi, east and west Rajasthan over the next two-three days," said the Met official.

Because of the recent change in wind direction, from northwesterly to easterly, the northern plains had been receiving a lot of moisture from the Bay of Bengal. Consequently, humidity levels in Delhi had started rising and on Monday touched a high of 83%. The maximum and minimum temperatures were 35.8 degrees Celsius, one degree above normal and 26.2 degrees Celsius, two degrees above normal, respectively. Between 8.30am and 5.30pm, significant rain had only been recorded at Faridabad with 8mm and Delhi University with 2mm. The last time Delhi recorded rain was on August 24. Till Monday morning, the city had recorded 515mm rain since June 1, 109mm below normal.

WEATHER

Max 35.8°C (+1)/Min 26.2°C (+2)
Moonrise: Tuesday – hh. mm am
Moonset: Wednesday – hh. mm pm
Sunrise: Wednesday – 6.10am
Sunset: Tuesday – 6.19pm
Generally cloudy sky. Rain may occur. Maximum & minimum temperatures on Tuesday will be around **34°C & 26°C**. Maximum humidity on Monday was **83%** and minimum **53%**.

STATOISTICS

WHERE THE RIVER RUNS

Historically, civilisations developed on the banks of rivers and even today it is important to understand the characteristics of rivers as well as the area supported by them for various planning and developmental processes. A systematic description of Indian river basins, the basic hydrological unit around a river — land, rainfall, runoff drain and so on — was first attempted in 1949 by the Central Water and Power Corporation. Various agencies use different criteria in dividing the country by river basins. The division is important for planning and development of the country's surface water resources. It is generally agreed that there are 12 major river basins in India. The largest is the Ganga-Brahmaputra-Meghna, which has the highest catchment area and supports about 46% of the population living in river basins. It is followed by the Krishna, Godavari and Indus basins in terms of size

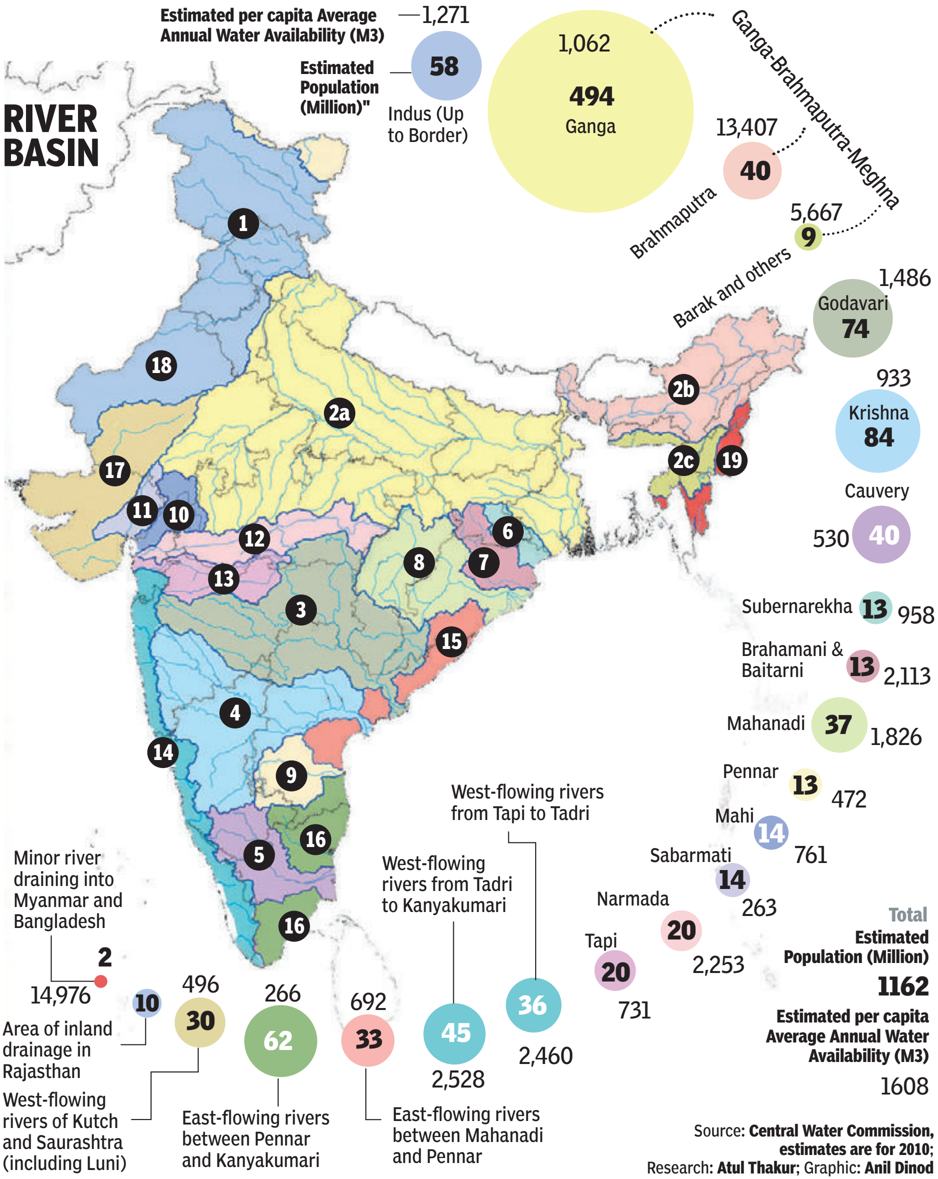

Source: **Central Water Commission,** estimates are for 2010;
Research: **Atul Thakur**; Graphic: **Anil Dinod**

दिल्ली और एनसीआर में सोमवार को झमाझम बारिश हुई। बारिश से दिनभर की उमस के बाद लोगों को राहत मिली। ● रवि चौधरी

आज भी बारिश की उम्मीद देर से खत्म होगा मानसून

नई दिल्ली | **प्रमुख संवाददाता**

मौसम के जानकारों के अनुसार मानसून इस बार कुछ देर से खत्म होगा, जिससे दिल्ली में मंगलवार को भी बारिश होने की संभावना है।

मौसम पर काम करने वाली संस्था स्काईमेट के मौसम वैज्ञानिक समरजीत चौधरी ने बताया कि राजधानी में सितंबर के तीसरे सप्ताह तक मानसून खत्म हो जाता है, लेकिन गुजरात में बने पश्चिमी विक्षोभ तथा कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से मानसून के जाने में देरी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर बीपी यादव ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली में बारिश की संभावना है। बुधवार को हल्की बूंदाबांदी दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग का मानना है कि 30 सितंबर तक मानसून का मौसम होता है। ऐसे में बारिश व हल्की बूंदाबांदी जैसी गतिविधियां देश के विभिन्न इलाकों में बनी रहेंगी।

सोमवार को शाम 5.30 बजे के बाद दिल्ली के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। हवा में आर्द्रता का स्तर 83 प्रतिशत रहा। अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

ऑटो चालकों का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (प्र.सं.)। दिल्ली में छोटी कारों को सिटी टैक्सी के तौर पर अनुमति दिए जाने के विरोध में भारतीय मजदूर संघ ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

सरकार के इस फैसले के विरोध में चालक सचिवालय पर ऑटो में काले झंडे लगाकर पहुंचे। चालकों ने दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी और बैरियर तोड़ने की कोशिश की। यूनियन के महासचिव राजेंद्र सोनी ने बताया कि इस मामले में बाद में 6 चालक दिल्ली के परिवहन मंत्री से मिलने के लिए पहुंचे थे। इस संबंध में सरकार को एक ज्ञापन दिया गया है।

नजरिया

बादलों के बाद नदियों ने भी दिया धोखा

भादो के इस मौसम में बाढ़ का इंतजार होता था, जिससे खेतों को पानी ही नहीं, पोषण भी मिलता था।

अंबरीश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

उनके सूखे खेत बाढ़ का इंतजार कर रहे हैं। नेपाल से सटे बहराइच, बलरामपुर, बस्ती और सिद्धार्थनगर के आसपास का इलाका अच्छे किस्म की धान व दलहन का अंचल है। मिहिपुरवा से नानपारा होते हुए जंगल की तरफ बढ़ते ही तराई के इस अंचल में धान के खेत सूखे हुए नजर आते हैं। बरसात न होने की वजह से नहर, नलकूप और बोरिंग से खेतों को पानी दिया जा रहा है। लेकिन इससे भी काम नहीं चल पा रहा है। करीब आधे नलकूप खराब हैं। डीजल पंप से बोरिंग का पानी देना हर किसान के बस में नहीं है। एक बीघा खेत को पानी देने के लिए चार-पांच घंटों तक पंप चलने का डीजल चाहिए, जो तीन सौ रुपये से ज्यादा का पड़ता है। बरसात न होने की कीमत इस तरह किसान को चुकानी पड़ती है। यही वजह है कि काला नमक, श्याम जीरा, साकेत चार, जया और बासमती जैसी धान की किस्मों की फसलें सूख रही हैं। किसानों का कहना है कि भादो के इस मौसम में तो बाढ़ का इंतजार होता था, लेकिन इस बार सूखा पड़ रहा है। बादलों के बाद अब नदियों का जल-स्तर भी धोखा दे रहा है।

उत्तर प्रदेश के इस अंचल के लिए ही नहीं, बिहार समेत बहुत से राज्यों में यह इंतजार होता है। बाढ़ आती है, तो उपजाऊ मिट्टी की नई परत खेतों में चढ़ा जाती है। अरहर, मटर, चना, सरसों, लाही और तुअर की दाल के लिए बाढ़ की यह मिट्टी वरदान साबित होती है। गेरुआ, कौडियाला, भादा, सरयू और घाघरा समेत कई नदियां इस तराई अंचल के खेतों को सींचती रही हैं। नेपाल से उतरती इन नदियों का पानी भी देश के अन्य इलाकों में बहने वाली नदियों से साफ होता है। कतरनिया घाट पर गेरुआ नदी के पारदर्शी पानी को देखें, तो यह साफ हो जाता है। इसी नदी में शाम के समय जंगल के किनारे डॉल्फिन का नृत्य भी देख सकते हैं। घड़ियाल तो बड़ी संख्या में बीच के टापुओं पर धूप सेंकते नजर आ जाएंगे। तराई में घने जंगल की वजह से इस तरफ बरसात भी ठीक-ठाक होती है, मगर जलवायु परिवर्तन का असर तराई पर भी पड़ता नजर आ रहा है।

बरसात के पानी और सिंचाई के अन्य स्रोतों से होने वाली सिंचाई में भी फर्क है। ऐसा किसान मानते हैं कि बरसात का पानी देसी धान के पौधों को ज्यादा तेजी से बढ़ाता है। इस अंचल का धान बहुत दूर-दूर तक जाता है। काला नमक इसमें सबसे ज्यादा मशहूर है। लोग बताते हैं कि इसके खेतों से गुजरें, तो खुशबू महसूस की जा सकती है। अब इसकी फसल तो खराब हो ही रही है, चिंता दलहन को लेकर भी है। बाढ़ का पानी और उसके साथ आई मिट्टी दलहन की फसल को ताकत देती है। बाढ़ नहीं आई, तो वह नई मिट्टी भी नहीं आएगी, जिससे दलहन और अन्य फसलों पर असर पड़ना तय है। सितंबर का चौथा हफ्ता लग गया है और अब तक नदियों का पानी भी नहीं बढ़ रहा है। जाहिर है, बाढ़ नहीं आई, तो पूरा फसल-चक्र बिगड़ेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

THE HINDU

CITIES » DELHI

Published: September 22, 2015 00:00 IST | Updated: September 22, 2015 06:57 IST September 22, 2015

A prayer for the river

- Akanksha Jain

Despite an NGT order banning immersion of idols made of non-biodegradable material into the Yamuna, Ketan Bajaj found many devotees leaving behind a pile of waste in and around the river on September 18.Photo: Special arrangement

I am praying that some officials would assure that the garbage that has got collected would be removed soon: Ketan

On Monday morning, a man working with a leading private company was spotted praying on the footpath right outside the National Green Tribunal.

All by himself, with his eyes shut, 43 year old Ketan Bajaj, a resident of Sarita Vihar, intended to snap government bodies out of their slumber. He started his prayers a little after 9 a.m. An hour later, he was asked by the police personnel to move inside the NGT premises.

And what forced him to take this step?

On September 18, three days after the NGT banned immersion of idols made of non-biodegradable material into the Yamuna and asked the agencies to keep a check, Mr Bajaj reached Yamuna Ghat at Kalindi Kunj with some volunteers.

What he saw, shocked him. There were neither any mobile toilets nor any dustbins. The devotees, in celebration, were immersing idols of Lord Ganesha and Vishwakarma in the river along with plastics, flowers, puja materials, etc. The devotees left behind a pile of waste, plastic, flowers, etc, in and around the river.

The directions of the NGT seemed to have gone down the river too. This ground reality disturbed him.

“I, with some volunteers, prevented people from throwing plastic bags in the river. Some volunteers, mostly kids, also swam in the river to fetch the plastic bags already thrown. These were then deposited on the bank of the river. There was no dustbin kept by the administration. There was no signboard to inform people not to throw plastic bags into the river. Now I am just praying that some officials would assure that the huge amount of garbage that has got collected would be removed soon,” said Mr. Bajaj, a PhD in computational neuroscience from IIT Delhi who now works with a private company in the US.

The scenes from the Yamuna Ghat at Kalindi Kunj from September 18-20 raised doubts on government’s oneness with the NGT on revitalising Yamuna by 2017.

“The river has life, but it cannot speak for itself and tell about its suffering. In three days (18-20 Sept), immersion of idols ceremony had massacred the Yamuna Ghat at Kalindi Kunj, Delhi. This prayer was to seek compassion for the river. There are only 2 requests: Place dustbins at the ghat that would be cleared by MCD regularly and send workers to clear the huge mess created during immersion ceremony,” he said.

Mr Bajaj prayed the government agencies forget their differences and come together to revive the Yamuna. He said if the government does not act, he would hire sweepers and get it cleaned for which he requested support from masses.

I am praying that some officials would assure that the garbage that has got collected would be removed soon

---

Printable version | Sep 22, 2015 2:03:08 PM | http://www.thehindu.com/news/cities/Delhi/a-prayer-for-the-river/article7675805.ece

© The Hindu

Cheer for Mumbai: 7 lakes got 32 million litres since Saturday

The Times of India (Mumbai edition) · 21 Sep 2015 · 2 ·

The minimum temperature at Santacruz dropped to 24 degrees C from 25.6 degrees recorded on Saturday and 27 degrees C on Friday. In Colaba, the minimum temperature dropped to 25.6 degrees Celsius from 27.3 degrees recorded on Saturday. The maximum temperatures, however, stayed the same.

Earlier this month, the BMC had enforced a 20% water cut for residential buildings and a 50% curtailment to commercial and industrial units. The BMC normally supplies 3,750 million litres a day to Mumbai, but after the recent 20% water cut it was reduced to 3,200 ML. Modak Sagar is now the second lake to overflow. On Saturday, Middle Vaitarna reached its full capacity and excess water from this dam was released to the Modak Sagar.

The smaller Tulsi lake, which contributes only 1% of Mumbai's water supply, too was close to its overflow mark on Sunday night.

Steady rains over the catchment areas since Saturday added 32 million litres (ML) into the seven lakes. Friday's heavy rainfall had added almost 48,849 million litres of water to the lakes.

By Sunday morning, total water in the lakes was as follows: Modak Sagar-1,27,001 ML, Tansa-1,24,875 ML, Vihar-12,118 ML, Tulsi-7,837 ML, Upper Vaitarna-1,23,434 ML, Bhatsa-4,89,846 ML and Middle Vaitarna-1,90,143 ML.

Sunday's rainfall also added to the

Million litres water level and the BMC stated that 30 to 40 mm waterfall was recorded in catchment areas till 6pm. Details on the five lakes available with the civic authority showed that Vaitarna recorded 39.40 mm, Tansa 37.20mm, Vihar 58 mm, Tulsi 32 mm and Middle Vaitarna 31.70 mm rainfalls till 6pm on Sunday.

No respite from rains in N-K dists

BENGALURU: There was no let-up from rains in some districts of North Karnataka for the third day on Wednesday.

Basavana Bagewadi in Vijayapura district continued to receive rain for the third day. The showers have filled water bodies. Rainwater gushed into low-lying areas washing away household articles. The rains have triggered agricultural activity and a large number of farmers were seen purchasing seeds and fertilisers.

Several parts of Bagalkot district received rains accompanied by lightning. Badami taluk recorded the highest rainfall of 218 mm as at 8.30 am on Wednesday. As many as 542 houses in the district have been damaged due to incessant rains lashing the district for the past 10 days.

Man dies in lightning

A person was struck dead by lightening at Parthanahalli village in Athani taluk of Belagavi district. The police have identified the deceased as Yamanappa Kandappa Kamble (65) a resident of Parthanahalli. The incident took place when he was working at field.

Uttara Kannada

Uttara Kannada district received widespread rains on Wednesday. Ten tourists from Hubballi who were stranded in the river at Moulangi village in Dandeli were rescued with the help of police and local rafters.

Shivamogga

Moderate to heavy rains lashed Malnad region on Wednesday. Hosanagar, Thirthahalli, Bhadravathi, some parts of Shivamogga, Sagar and Shikaripur received moderate rains till noon. A good spell of rain lashed Hosanagar taluk for hours together till noon. Water level in Linganamakki dam rose to 1789.60 feet against the maximum level of 1,819 feet.

DH News Service

Maximum deluge

Waterlogging was reported from some parts of Mumbai on Sunday following intermittent rain. One person was killed in a landslide in the Jivdani area of Virar in the western suburbs. DH PHOTO

DECCAN Chronicle

Published on *Deccan Chronicle* (http://www.deccanchronicle.com)

Home > Dream turns into 'reality' as Godavari meets Krishna

Dream turns into 'reality' as Godavari meets Krishna

Deccan Chronicle | Bh. Ramakrishna | September 17, 2015, 09.33 am IST

Chief Minister N. Chandrababu Naidu performing pooja at the Krishna river on Wednesday. (Photo: DC)

Vijayawada: Marking a historic event, Godavari water reached the Krishna on Wednesday, not directly from the river at Pattisam but from the nearby Tadipudi reservoir. Irrigation officials provided a diversion at Guddivagu and 350 cusecs of Godavari water was lifted from the Tadipudi reservoir and let into the Polavaram right canal to reach the Krishna.

This water flowed up to Nunna in Krishna district and then merged with the Krishna at the inter-link point at Ferry village, 20 km from Vijayawada. Andhra Pradesh Chief Minister N. Chandrababu Naidu poured Godavari water, brought in a vessel, into the Krishna to mark the interlinking. He unveiled a pylon and performed a puja to mark the occasion.

Later, speaking at a public meeting, Mr Naidu claimed credit for the inter-linking, saying, “If former Prime Minister Atal Behari Vajpayee could think of it, I made it a reality. If (irrigation expert) K.L. Rao proposed it, I implemented it,” he said, adding this was the greatest moment of his career.

Earlier, heavy rains hit the government’s plans to start the Pattiseema project at 9 am, with the officials failing to fit the heavy motors to the first pipeline of the project. Not only did the rain delay the vehicle carrying the motor from reaching on time, it also stopped the engineers from supplying power.

Write your comment...

At 10 am, the media was informed of the delay and taken to Ferry village. Officials said the river linking would take place first, followed by the public meeting and then Mr Naidu would proceed to Pattiseema. The motor would be switched on at 3.45 pm, they said.

This wasn't to be, as the engineers were still toiling when Mr Naidu reached the village at 4 pm. Mr Naidu broke a coconut there, performed puja at the pipelines and returned. The motor installation was to be completed by midnight, officials told the media.

Tags: nation [1]
Current affairs [2]
Telangana [3]
Godavari river [4]
Krishna river [5]

Give your rating: Average: 0 stars from 0 ratings

Leave a comment Latest

ME What is your opinion?

Name Email Post

Talk of the town

Show more

Source URL: http://www.deccanchronicle.com/150917/nation-current-affairs/article/godavari-touches-krishna

Links:
[1] http://www.deccanchronicle.com/content/tags/nation
[2] http://www.deccanchronicle.com/content/tags/current-affairs
[3] http://www.deccanchronicle.com/content/tags/telangana
[4] http://www.deccanchronicle.com/content/tags/godavari-river
[5] http://www.deccanchronicle.com/content/tags/krishna-river

THE HINDU

NATIONAL » TELANGANA

Published: September 21, 2015 00:00 IST | Updated: September 21, 2015 05:37 IST DOWLESWARAM, September 21, 2015

Godavari in spate in merged mandals

- B.V.S. Bhaskar

Residents of Srirangapatnam village in Korukonda mandal being evacuated by district officials.– Photo: By Arrangement

Many rivulets, streams and tanks in East Godavari district, particularly in the newly merged mandals such as Chinturu, V.R. Puram and Gangavaram, overflowed as rain continued for the fourth consecutive day on Sunday.

Owing to heavy inflows from upstream Khammam, the Godavari is in spate in the district. As the water level at the Dowleswaram barrage touched 8.40 feet, officials opened 175 gates to let 6.57 lakh cusecs of water into the Bay of Bengal in the afternoon.

The rains left a trail of destruction in the shape of damage to roads and electricity installations. Heavy inflows into Godavari in Khammam district threatened to assume alarming proportions in Chinturu mandal, cutting road links to several villages because of the overflow of the Sokileru. Electricity supply to at least 15 villages was stopped since Saturday night.

AP Genco has let out 6,000 cusecs of water from Sabari at Donakarai and stopped generation of power.

As road connectivity between Chinturu and V.R. Puram was snapped, people in 25 villages were stranded. “As the flood level at Bhadrachalam touched 38.2 feet by afternoon, there is possibility of an increase in the Godavari flood water level every hour. We will monitor the situation and evacuate people from all villages near the rivulets and streams,” said in-charge RDO for the merged mandals, Narasimha Murthy.

Officials sounded the first-level warning in downstream villages in Konaseema. East Godavari collector H. Arun Kumar appealed people to remain alert and cooperate with the authorities.

The swollen Godavari started entering villages in Korukonda mandal and water entered Srirangapatnam village. The officials led by the Collector and Sub-Collector V. Vijayaramaraju visited the village and evacuated people from low-lying areas.

Officials led by Collector and Sub-Collector evacuate people from low-lying areas

---

Printable version | Sep 22, 2015 12:52:36 PM | http://www.thehindu.com/news/national/telangana/godavari-in-spate-in-merged-mandals/article7672604.ece

© The Hindu

Intermittent rains lash Shivamogga dist

September 20, 2015, Shivamogga, DHNS

Intermittent rains lashed several parts of the district on Saturday.

Shivamogga, Hosanagar, Bhadravathi, some parts of Sagar, Shikaripur in the district received good rainfall in the morning. Showers lashed Malnad region in the morning. Later, it again rained in the evening.

Several parts of the district had a cloudy weather signalling good spell of rains towards night. Water level in the Linganamakki dam rose to 1790.80 feet against the maximum level of 1,819 feet as catchment area of the dam received 15 mm of rainfall.

THE HINDU

OPINION » COMMENT

Published: September 22, 2015 01:29 IST | Updated: September 22, 2015 01:55 IST September 22, 2015

Preparing for the climate exiles

- Sujatha Byravan

The Hindu
"Intense storms, heat waves, droughts and sea level rise are all expected to exacerbate living conditions to such an extent that people could be forced to move from their homes and become climate exiles." Picture shows a woman on a raft in the flood-affected Rampur village, 35 km from Guwahati. Photo: Ritu Raj Konwar

The poorest and most vulnerable people, forced to move as result of climate change, will have no legal standing under the United Nations Refugee Convention

Although firm numbers are not available, reports suggest that more than 4,00,000 people have arrived at the European Union (EU) border so far this year, driven by wars and conflicts in places such as Syria, Afghanistan and Eritrea. In recent weeks, we have watched in horror the images of officers firing water cannons and tear gas at desperate crowds at borders and railway stations, of people struggling ashore on small dinghies, and of children who could not make it across.

One hopes that these pictures are not a glimpse into a future with climate change impacts and the resulting conflicts. Disasters such as intense storms and heat waves and slow moving changes like droughts and sea level rise (SLR) are expected to exacerbate living conditions to such an extent that people could be forced to move from their homes and become climate exiles. Many may be forced to move into neighbouring, more protective spaces in the same country or perhaps across national borders. According to the 2006 Stern Review, climate change may displace 200 million people by the middle of the century

Island Nations

Consider, for example, atoll nations in the Pacific such as Tuvalu or the Maldives in the Indian Ocean. With an elevation of only a few metres above sea level, these islands will suffer the worst effects of storms and flooding and may be partly or entirely submerged by even a couple of metres of SLR. While the population of these small island states is relatively small, people will have to leave their country without a viable nation state. Those forced to move in this manner have no legal standing under the United Nations Refugee Convention, which offers protection only for those who have been forced to leave their country owing to "well-grounded fear of being persecuted for reasons of race, religion, nationality, membership in a particular social group or political opinion."

Worst of all, the people most affected by these changes will be among the poorest and most vulnerable. Their own nations' contributions to greenhouse gas (GHG) concentrations in the atmosphere are relatively trivial, but they would suffer some of the most severe effects. It is no surprise then that Alliance of Small Island States (AOSIS) has called for global action to limit warming to 1.5°C, as opposed to the general focus on a 2°C limit. In a grim reminder of reality, however, the World Bank in its report "Turn Down the Heat" says that without action, we could be seeing warming by 4°C above pre-industrial levels.

Low-lying delta regions of the world such as those of the Irrawaddy and the Ganges-Brahmaputra are also vulnerable to the effects of SLR. More than a tenth of humanity resides in vulnerable regions of the world that are within 10 metres of today's sea level, also known as Low Elevation Coastal Zones (LECZ). Close to half of Bangladesh lies in the LECZ and these areas will be severely affected by rising seas.

Anticipating these changes with rising temperature, it is important that we prepare to address these issues instead of building fortress-like nations. Regional agreements, joint action, training and skills, sharing of knowledge, technologies, lessons from successes and failures to adapt should all be part of a regional focus in preparing for SLR. Labour agreements are especially important and should be combined with skill building and training in advance of migration.

Loss and damage

The United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) has acknowledged a domain referred to as Loss and Damage (L&D), which essentially tries to capture these types of inability to cope with the effects of warming. This is distinct from mitigation, or reducing greenhouse gas emissions, and adaptation, or finding ways to live in a warmer world. At the Conference of Parties (COP19) of the UNFCCC, held in Warsaw in 2013, all parties agreed to set up a new mechanism on L&D. The issue is important because even after GHG emissions are reduced and communities adapt to climate change, there would still be loss and damage to people, livelihoods and infrastructure as a result of their inability to cope with climate change. Loss generally refers to the complete forfeiture of items like land, ecosystems, or of human lives, while damage refers to the harm to infrastructure and property that could be repaired. The term includes both economic and non-economic losses.

In order to gain traction, however, this issue needs support from rich countries (Annex-1 countries in UN parlance). The term L&D has, at any rate, come to imply liability and compensation, which makes it particularly challenging for rich countries, which are responsible for the bulk of the GHG concentrations in the atmosphere. It is still not clear if L&D will figure at all in the negotiations and whether it would then be part of the core agreement at Paris.

The Loss and Damage mechanism is up for review in 2016 and developing countries want to ensure that it is part of the core agreement in Paris, so that its centrality is established. This is why developing countries "are fighting tooth and nail to ensure L&D figures in the core agreement", said Indrajit Bose from Third World Network.

Commentators on a recently concluded meeting in Bonn, a preparatory meeting for the Paris COP, have said progress was slow but others contend that various issues will get trimmed down as discussions move forward and the focus will shift to 'key matters'. With less than three months remaining to decide these questions, time is running out.

The refugee crisis in Europe reminds us that the Paris agreement needs to be wider than just the reduction of greenhouse gases, or mitigation. The text of the recently concluded meeting of Like Minded Developing Countries in Delhi states that the issues for the Paris COP are "mitigation, adaptation, finance, capacity building, technology development and transfer, transparency of action and support as well as loss and damage." Acknowledging and acting on these issues would help prevent the kind of crisis we are now seeing in Europe in future as a result of climate change.

(Sujatha Byravan is Principal Research Scientist, Centre for Study of Science, Technology & Policy [CSTEP])

Printable version | Sep 22, 2015 2:04:20 PM | http://www.thehindu.com/opinion/op-ed/preparing-for-the-climate-exiles/article7674720.ece

© The Hindu

सूरत में पिछले चार दिनों से बारिश का दौर चल रहा है। सोमवार को बारिश के दौरान गौरव पथ का नजारा।

सौराष्ट्र की नदियों में बाढ़, निचले स्थलों पर भरा पानी

बरसाती पानी से धुल गई सड़कें

सूरत. शहर में चार दिनों से हो रही लगातार बारिश ने सड़कों का हाल बेहाल कर दिया है। मुख्य सड़कों से जुड़े सोसायटी के मार्ग पर जगह-जगह डामर उखड़ गया है। स्कूली बच्चों को बारिश के पानी से होकर गुजरना पड़ता है, वहीं वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है। शहर में शुक्रवार से लगातार बारिश का दौर जारी है। इस कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। डिंडोली-कराड़वा रोड पर स्थित भक्ति रेसिडेन्सी जाने वाले मार्ग की हालत बहुत खराब है। श्रद्धा सोसायटी में मनपा ने सड़क का निर्माण कार्य जून में शुरू किया था, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। सोसायटी के प्रमुख मनपा अधिकारियों से सम्पर्क कर कार्य जल्दी करवाने पर ध्यान दे रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता भारी पड़ रही है।

बिजली गिरने से युवक व आठ पशुओं की मौत

अहमदाबाद. राजकोट. जामनगर @ पत्रिका

patrika.com/city

बंगाल की खाड़ी में डीप डिप्रेशन के असर से राज्य में अहमदाबाद समेत विविध भागों में सोमवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। जिससे सौराष्ट्र में जहां कई नदियां उफान पर देखी गई वहीं यहां के कई बांध भी ओवरफ्लो हो गए। जामनगर जिले में बिजली गिरने की आठ घटनाओं में एक युवक व आठ पशुओं की मौत होने की खबर है। हालांकि बारिश के इस दौर से किसानों में खुशी व्याप्त है।

लगातार चौथे दिन भी सोमवार को भी बारिश हुई। सौराष्ट्र के अधिकांश इलाकों में जोरदार बारिश हुई है। इस दौरान जामनगर जिले में बिजली गिरने से एक युवक की मौत होने की खबर हैं। इसके अलावा अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से आठ पशुओं की भी मौत हो गई। जिसकी वजह से राजकोट शहर समेत विविध इलाकों में पानी भर गया। दूसरी ओर बारिश के कारण किसानों में खुशी व्याप्त है। रविवार वाले चंद्रेश खीमजीभाई (40) की मौत हो गई। इसके अलावा इसी दुर्घटना में एक गाय की भी मौत हो गई। कालावड तहसीलके डेयरी गांव में एक भैंस समेत आठ पशुओं की मौत हो गई। अच्छी बारिश के चलते सौराष्ट्र भर में किसानों में खुशी का माहौल है।

करीब एक माह से किसानों को अच्छी बारिश का इन्तजार था। यह बारिश विविध फसलों के लिए लाभकारक साबित होगी। वहीं अच्छी बारिश होने के कारण सौराष्ट्र में रावल डेम समेत चार बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। यहां की टिंबी के निकट रूपेण नदी उफान पर है। जिसकी वजह से ऊना-राजूला रोड को बंद किया गया है। जबकि कोडीनार से बीस किलोमीटर दूरी पर सरस्वती नदी में भी बाढ़ आ गई है। में रविवार रात से सोमवार तक सात इंच बारिश हुई है। जिससे यहां निकट स्थित बैठा पुल तक पानी आ जाने से ट्रैफिक को बंद किया गया है। रविवार रात को पुलिस ने लाउड स्पीकर के माध्यम से निचले इलाकों में चेतावनी थी । राजकोट, जामनगर गिर सोमनाथ, जूनागढ़ एवं पोरबंदर तथा अमरेली जिले में जोरदार बारिश के कारण निचले इलाके तर-ब-तर हो गए हैं। राजकोट में न्यू राजकोट में सोमवार को सभी निचले इलाकों में पानी भर गया। शहर के 150 फूट रिंग रोड पर बीआरटीएस रोड, रैया समेत विस्तारों में पानी भर गया। राजकोट के 150 फीट रिंग रोड पर पानी भरने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अहमदाबाद शहर के विविध क्षेत्रों में सोमवार को बारिश का दौर जारी रहा है।

और सोमवार को जामनगर जिले में सात जगहों पर बिजली गिरने की खबर हैं। लालपुर तहसील के कराणा गांव में बिजली गिरने से गांव में रहने

जिससे माधवराय मंदिर भी पानी में डूब गया है। कोडीनार निकट स्थित शिंगवडा बांध भी ओवरफ्लो हो गया है। अमरेली जिले के वाडीया शहर

साबरमती नदी पर बने हुए वासणा बैरेज के कुछ दरवाजे खोले गए हैं। राज्य के अधिकांश भागों में बादल छाए रहे।

Dams fall short of maximum level

ARUN SHARMA
TRIBUNE NEWS SERVICE

ROPAR, SEPTEMBER 20

As the filling period of reservoirs ended today, the water level fell short of the maximum capacity at all three dams — Bhakra, Pong and Ranjit Sagar in the state — thanks to deficit rain, especially the dry spell since September 1.

> "All reservoirs are nearly full. There is nothing to be worried about. Water will be supplied to partner states of Punjab, Haryana and Rajasthan according to their demand."
>
> SK Sharma, BBMB MEMBER, IRRIGATION

The filling period of Bhakra and Pong reservoirs starts from May 21 and June 21, respectively, and ends on September 20.

At Bhakra Dam, the water level was registered at 1,676.72 feet against 1,678.36 feet last year at the end of filling period. At Ranjit Sagar dam, also known as Thein dam, built on the Ravi, the water level was 511.47 metre against 516.72 metre last year.

However, the water level at Pong dam was 1,381.24 feet today, far higher than 1,367.62 feet recorded last year.

मौसम सुहाना, और दो दिन होगी बारिश

Sep 22, 2015, 08.00 AM IST

नगर संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार शाम बादल बरसे और मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी बारिश होने की उम्मीद जताई है। हालांकि, सोमवार को दिनभर धूप छाई रही और लोगों को उमस भरी गर्मी ने खूब तंग किया मगर देर शाम करीब 6 बजे मौसम ने करवट ली और कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई।

नैशनल वेदर फोरकास्टिंग सेंटर के हेड बीपी यादव ने बताया कि उत्तर भारत के साथ-साथ दिल्ली में भी अगले दो दिनों तक बारिश होने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से पूर्वी दिशा से हवाएं दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की तरफ आ रही हैं, इससे सभी इलाकों में बारिश होने की उम्मीद है। साथ ही पिछले दो दिनों से दिल्ली को छोड़कर बाकी इलाकों में तेज बारिश हो रही है। यादव ने कहा कि सुबह दिल्ली में बारिश नहीं हुई क्योंकि वेदर सिस्टम ज्यादा एक्टिव नहीं था।

सोमवार को मैक्सिमम टेंपरेचर 35.8 डिग्री दर्ज हुआ, वहीं मिनिमम नॉर्मल से दो डिग्री ज्यादा के साथ 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मैक्सिमम ह्यूमिडिटी 83 पर्सेंट दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में कहा है कि मंगलवार को बादल छाए रह सकते हैं। बारिश भी होने की संभावना है। मैक्सिमम टेंपरेचर 34 और मिनिमम 26 डिग्री रहने का अनुमान है। शाम 5:30 बजे तक आया नगर में 0.8 मिमी, पूसा में 3 मिमी बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग अगले दो दिनों के लिए दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ जैसी जगहों पर तेज बारिश होने की संभावना जताई है।

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से भी दिल्ली के मौसम पर असर पड़ रहा है। साथ ही, राजस्थान में चक्रवाती हवाओं का सिस्टम भी बना है, इससे मौसम के पैटर्न में बदलाव हो सकता है।

डाउनलोड करें Hindi News ऐप और रहें हर खबर से अपडेट।

हर ताज़ा अपडेट पाने के लिए NBT के फ़ेसबुक पेज को लाइक करें।